No. of Printed Pages : 6

BPYC–132

BACHELOR OF ARTS (GENERAL)

PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

December, 2024

BPYC–132 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to question no.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Explain Utilitarianism of J. S. Mill with a critical appraisal. 20

Or

Write an essay on Metaethics. 20

2. What is moral action ? Discuss the religious views of Hinduism, Jainism, Buddhism, Islam, and Christianity on the same. 20

Or

Explain the nature of deontological theory and critically examine it. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each : 10 each

   (a) Write an essay on virtue ethics.

   (b) Discuss the reasons for the growing popularity of moral relativism.

   (c) Discuss ethical naturalism.

   (d) Critically examine ethical subjectivism.

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each : 5 each

   (a) What is the role of human dignity in morality ?

   (b) What is the significance of emotivism in moral philosophy ?

   (c) Explain the difference between categorical and hypothetical imperative.

   (d) What is moral realism ?

   (e) Discuss the *four* cardinal virtues of Plato.

   (f) Briefly outline R. M. Hare's prescriptivism.

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Act and Rule Utilitarianism

(b) Socrates' views on virtue

(c) Christian vices

(d) Ethical non-cognitivism

(e) Gudaimonia

(f) Virtues in Islam

(g) Naturalistic fallacy

(h) Intuitionism

BPYC–132

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.पी.वाई.सी.-132 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. जे. एस. मिल के उपयोगितावाद की आलोचनात्मक मूल्यांकन सहित व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

अधिनीतिशास्त्र पर निबन्ध लिखिए। 20

2. नैतिक कृत्य क्या है ? हिन्दू, जैन, बौद्ध, इस्लाम और ईसाई धर्म के नैतिक कृत्य सम्बन्धी धार्मिक दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

कर्तव्यपरक सिद्धान्त की प्रकृति की व्याख्या कीजिए और इसका आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200–200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) सद्‌गुण नीतिशास्त्र पर निबन्ध लिखिए।

(ख) नैतिक सापेक्षतावाद की बढ़ती हुई लोकप्रियता के कारणों की चर्चा कीजिए।

(ग) नीतिशास्त्रीय प्रकृतिवाद की चर्चा कीजिए।

(घ) नीतिशास्त्रीय आत्मनिष्ठतावाद का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) नैतिकता में मानवीय गरिमा की क्या भूमिका है ?

(ख) नैतिक दर्शन में संवेगवाद का क्या महत्व है ?

(ग) निरपेक्ष और सापेक्ष आदेश के मध्य अन्तर की व्याख्या कीजिए।

(घ) नैतिक वस्तुवाद क्या है ?

(ङ) प्लेटो के **चार** प्रधान सद्‌गुणों की चर्चा कीजिए।

(च) आर. एम. हेयर के परामर्शवाद का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) कृत्य और नियम उपयोगितावाद

(ख) सुकरात का सद्‌गुण सम्बन्धी मत

(ग) ईसाई धर्म के अनुसार अवगुण

(घ) नीतिशास्त्रीय असंज्ञानवाद

(ङ) परम सुख

(च) इस्लाम धर्म के अनुसार सद्‌गुण

(छ) प्रकृतिवादी दोष

(ज) अन्त:प्रज्ञावाद

× × × × × × ×